वैश्विक शिखर सम्मेलन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा...

ब्रह्माकुमारीज़ आध्यात्मिकता द्वारा विश्व में दे रही शांति और मानवता का संदेश

- विश्व शांति के लिए ब्रह्माकुमारीज़ की भूमिका पर बोले सीएम धामी– 'वसुधैव कुटुम्बकम' आज समय की आवश्यकता
- 'मानवता के संरक्षक' पुरस्कार से सम्मानित हुए प्रो. चेतन सिंह सोलंकी, केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष को मिला विशेष सम्मान
- अध्यात्म की कमी से नशे की गिरफ्त में आ रहे लोग – सांसद रवि किशन
- पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान हेतु राहुल सिन्हा और मुकेश माथुर सम्मानित

मंच पर उपस्थित हैं बायें से सांसद रवि किशन, मुख्यमंत्री धामी, मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, ब्र.कु. राधे श्याम गर्ग, राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी एवं राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई।

शांतिवन। उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय जीवन दर्शन के सार 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह केवल शांति का उपदेश नहीं है, बल्कि वर्तमान समय में यह एक अनिवार्यता भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिकता न केवल शरीर, मन और आत्मा में संतुलन बनाने का कार्य करती है, बल्कि यह जीवन में आज की ज़रूरत है। आध्यात्मिक चिंतन से हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। इस बदलाव को मैंने अपने जीवन में स्वयं भी महसूस किया है।

सीएम धामी ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था नैतिक मूल्यों के माध्यम से लोगों को सही मार्ग दिखा रही है। यह केवल एक संस्थान नहीं है, बल्कि यहां से कलियुग से सतयुग की स्थापना के लिए एक महान कार्य किया जा रहा है। भारत की भूमि से उपजे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का कार्य विश्व के कोने-कोने में शांति और मानवता का संदेश फैलाना है। मैं आज यहां स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में आध्यात्मिकता की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने के लिए आया हूँ।

आध्यात्मिकता से मिली आंतरिक शांति, समाज में बदलाव का मार्गदर्शन –सीएम धामी

मुख्यमंत्री धामी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आने के बाद मुझे एक विशेष प्रकार की आंतरिक शांति की अनुभूति हो रही है। मैं 15 सालों से ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यक्रमों में शामिल होता रहा हूँ। उन्होंने बताया कि मुझे इस संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी से मिलने का सुअवसर मिला और उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

संसार का परिवर्तन खुद से शुरु होता है, 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को समझें : प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता

दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता ने समाज में सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि हमें दुनिया में कमियों की तलाश करने के बजाय अपने मन को देखना चाहिए। 'वसुधैव कुटुम्बकम', यह केवल शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि यह भावनाओं और संकल्पों के परिवर्तन की कहानी है। यदि हमारा संकल्प परिवर्तित होता है तो हमारी दृष्टि परिवर्तित होती है। जब दृष्टि परिवर्तित होती है, तो हमारी कृति भी बदलती है। जीवन के बदलाव के लिए हमें अपनी वृत्तियों और संस्कृतियों में परिवर्तन लाना होगा।

इस मौके पर राशि अग्रवाल ने भी अपने विचार साझा किए। गोरखपुर के विधायक प्रदीप शुक्ल समेत अन्य गणमान्य लोग भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अध्यात्म की कमी से नशे की गिरफ्त में आ रहे लोग : सांसद रवि किशन

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से सांसद एवं अभिनेता रवि किशन ने कहा कि यहां आकर शांति महसूस हो रही है। अध्यात्म के अभाव में आज लोग नशे की गिरफ्त में जा रहे हैं। यह चिंता का विषय है।

'मानवता के संरक्षक' पुरस्कार से सम्मानित हुए प्रो. चेतन सिंह सोलंकी, केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष को मिला विशेष सम्मान

इस मौके पर संस्थान की ओर से केंद्रीय रेल खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और उत्तराखंड के भाजपा अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट को सम्मानित किया गया। साथ ही इस मौके पर एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के संस्थापक प्रो. चेतन सिंह सोलंकी को 'मानवता के संरक्षक' पुरस्कार से नवाज़ा गया।

संस्थान के राजयोगी ब्र.कु. मेहरचंद भाई ने उत्तराखंड में संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं की रिपोर्ट पेश की। सोनालैक पेंट्स के एमडी ब्र.कु. राधे श्याम गर्ग ने स्वागत भाषण दिया। अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति का अनुभव कराया। मैंगलोर से आए श्रीविधा मुरलीधर सौरभ संगीत नृत्य कला परिषद के कलाकारों ने स्वागत नृत्य पेश किया। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन ब्र.कु. अंजली बहन ने किया।

वैश्विक शिखर सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर मंथन, पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए राहुल सिन्हा और मुकेश माथुर 'राष्ट्र चेतना पुरस्कार' से सम्मानित

वैश्विक शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन वक्ताओं ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' विषय पर चिंतन-मंथन किया। इस दौरान नोएडा के ज़ी-मीडिया के प्रबंध संपादक राहुल सिन्हा और जयपुर के दैनिक भास्कर के राज्य संपादक मुकेश माथुर को पत्रकारिता में उनके उल्लेखनीय योगदान पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 'राष्ट्र चेतना पुरस्कार' से सम्मानित किया।

अध्यात्म से मिलती है नई ऊर्जा, ब्रह्माकुमारीज़ का योग संदेश समय की आवश्यकता : राहुल सिन्हा

नोएडा के ज़ी-मीडिया के प्रबंध संपादक राहुल सिन्हा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का आध्यात्मिकता के द्वारा समस्याओं का समाधान सराहनीय कदम है। आज के समय में योग का संदेश सभी के लिए बहुत ज़रूरी है। यह केवल व्यक्तिगत सुधार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त उपाय भी है।

ब्रह्माकुमारीज़ ला सकती है बदलाव : मुकेश माथुर

जयपुर के दैनिक भास्कर के राज्य संपादक मुकेश माथुर ने वर्तमान वैश्विक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज हम नकारात्मक जीवन जी रहे हैं और समाज जिस दिशा में बढ़ रहा है, उस पर चिंतन करने की आवश्यकता है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ का यह मंच, यह ईको सिस्टम कैसे बदलाव ला सकता है, यह सभी को नज़र आ रहा है। मैं यहां दूसरी बार आया हूँ और यहां दिये जा रहे ज्ञान से बदलाव अवश्य ही आयेगा।

वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन पर उपमुख्यमंत्री ने कहा...

देश के विकास के लिए संस्कृति से जुड़ें

चार दिवसीय सम्मेलन में भारत सहित विश्व के 15 से अधिक देशों की पाँच हज़ार से अधिक जानीमानी हस्तियों ने भाग लिया।

शांतिवन। समापन समारोह में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि यदि देश का समुचित विकास करना है तो लोगों को सनातन संस्कृति से जोड़ना पड़ेगा। हमें समाज और देश के लिए समर्पित लोगों की फौज खड़ी करनी पड़ेगी। तब जाकर हम उस विकास को संभाल पाएंगे और यह सस्टेनेबल डेवलपमेंट कहलाएगा।

कार्यक्रम को महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. मुन्नी दीदी, युवा प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. चंद्रिका दीदी एवं पुणे से आईं यूथ एम्पावरिंग सेंटर एंड लिविंग वैल्यूज़ की फाउण्डर साक्षी कमलापुरे ने भी सम्बोधित किया। वैल्यू एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि भाई ने आभार व्यक्त किया। संचालन ब्र.कु. चंदा बहन ने किया।

पवित्र अन्न के बिना विचारों की शुद्धता नहीं हो सकती : संत हुजूर

वैश्विक शिखर सम्मेलन में 'स्मृति, वृत्ति और कृति में पवित्रता की धारणा' पर मंथन

शांतिवन। वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान 'स्मृति, वृत्ति और कृति में पवित्रता की धारणा' विषय पर आयोजित सम्मेलन में हरियाणा के राधा स्वामी सत्संग के प्रमुख परम संत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि जब इंसान की सोच पवित्र, कर्म दिव्य हो जाते हैं तो वह इंसान नहीं रहता, देवतुल्य बन जाता है। सबसे ज़रूरी चीज़ है कि इंसान का खानपान शुद्ध और पवित्र होना चाहिए। अन्न शुद्ध नहीं है तो विचारों की शुद्धता हो ही नहीं सकती है। फिर विचारों के आधार पर वैसे ही कर्म होते हैं। उन्होंने कहा कि यहां आकर शांति और विशेष

प्रकार का प्यार मिला जिसे पाकर हमें लगता है, जैसे किसी दूसरी दुनिया में पहुंच गए हैं। यहां जितने भी ब्रह्माकुमार भाई-बहन मिले, उनकी वाणी व व्यवहार में दिव्यता और सत्यता झलकती है। कार्यक्रम को यूएसए के लेप्स ग्रुप (ऑपरेशंस एंड सेल्स) के वाइस प्रेसिडेंट पीटर कुमार, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजस्थान एचसी राजदीपक रस्तोगी, तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी, प्रख्यात भारतीय कंप्यूटर वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद् पद्मश्री डॉ. विजय पी. भाटकर, ब्रह्माकुमारीज़ वैज्ञानिक,इंजीनियर और आर्किटेक्ट विंग के अध्यक्ष ब्र.कु. मोहन सिंघल, जयपुर सबज़ोन की निदेशिका ब्र.कु. सुषमा दीदी, नई दिल्ली हरीनगर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी एवं वैल्यू एजुकेशन प्रोग्राम की सहायक निदेशिका ब्र.कु. लीना बहन ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन शिक्षा प्रभाग की ब्र.कु. सुप्रिया बहन ने किया।

सुशांत सिन्हा को 'राष्ट्र चेतना' पुरस्कार से नवाज़ा

नोएडा से टाइम्स नाऊ नवभारत के कार्यकारी संपादक सुशांत सिन्हा को 'राष्ट्र चेतना पुरस्कार' से नवाज़ा गया। उन्होंने कहा कि मेरा रात में शो आता है 'न्यूज़ की पाठशाला' लेकिन यहां आकर मुझे लगा कि पहले हमें 'अध्यात्म की पाठशाला' में लौटना चाहिए। अध्यात्म हमारी शिक्षा पद्धति का हिस्सा होना चाहिए।

शाम 6 से सुबह 8 बजे तक कुछ न खाएं

प्रसिद्ध मेडिकल न्यूट्रोलॉजिस्ट डॉ. बिस्वरूप रॉय चौधरी ने कहा कि सुबह 8 बजे से पहले कुछ न खाएं और शाम 6 बजे के बाद कुछ न खाएं। इस नियम का पालन करने से एक सप्ताह में नींद की समस्या दूर हो जाती है। दो सप्ताह में जोड़ों के दर्द, तीन सप्ताह में बीपी, शुगर खत्म हो जाता है। चौथे सप्ताह में वजन कम हो जाता है। यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो दोपहर 12 बजे तक सिर्फ तीन से चार तरह के फल ही खाना है। यदि आपका वजन 70 किलो है तो 700 ग्राम फल लेना है। इसके बाद चार तरह की 350 ग्राम सलाद दोपहर में भोजन के पहले लेना है। इसके बाद रात के भोजन में भी इतना ही सलाद लेना है। इस नियम के पालन से सारे रोग दूर हो जाते हैं।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Oct, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org